INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

सेवा की कोई सीमा नहीं

By : Editor Published On : 25 Aug, 2019 10:14 AM IST

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं विदेशों में भी जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया। भारत से दो मोहन का नाता रहा है- एक सुदर्शन चक्रधारी (भगवान श्रीकृष्ण), तो दूसरे चरखाधारी (महात्मा गांधी)। दूसरी बार सरकार बनने के बाद मोदी का यह तीसरा कार्यक्रम है।

'2 अक्टूबर को नए युग का जन्म हुआ'

नरेंद्र मोदी ने कहा, "श्रीकृष्ण जगत गुरु के रूप में जाने जाते हैं। इस बार मैं बात कर रहा हूं महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के बारे में। 2 अक्टूबर 1869 को एक नए युग का जन्म हुआ था। उनसे सेवा भाव की बात हमेशा जुड़ी रही। उन्होंने साउथ अफ्रीका में नस्लीय भेदभाव से प्रभावित लोगों की सेवा की। किसानों, मजदूरों, कमजोर, भूखे और गरीब लोगों की सेवा की। स्वयं के जीवन में सेवा भाव से उन्होंने उदाहरण स्थापित किया। उन्होंने सेवा के साथ जुड़े आत्मसुख पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया- सेवा परमोधर्म।"

"मेरा बहुत ही सौभाग्य रहा कि मुझे महात्मा गांधी से जुड़ी बहुत सी जगहों पर जाने का मौका मिला है। हम समाज, सभी वर्गों और सभी महिलाओं और पुरुषों के साथ मिलकर सेवा भाव से समाज के लिए काम करें। अगर हमारी फुटबॉल टीम है, तो हम खेल के साथ गांधी के आदर्शों पर भी चलें। किताबें और ज्ञान बांटें। सेवा की कोई सीमा नहीं है। जहां जैसा मौका मिले हमें सेवा करनी चाहिए। कुछ महीनों पहले में गुजरात में दांडी गया था। वहां मैंने महात्मा गांधी को समर्पित एक म्यूजियम का उद्घाटन किया था। मेरा आपसे आग्रह है कि आप आने वाले साल में महात्मा गांधी से जुड़े किसी भी स्थान पर घूमने जाएं। वहां अपनी फोटो लें और सोशल मीडिया पर शेयर करें। गांधी जी के आदर्शों को भी शेयर करें।"

'अब प्लास्टिक रोकने की बारी'
प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले कुछ सालों से 2 अक्टूबर से दो हफ्ते पहले हम स्वच्छता अभियान चलाते थे। इस बार यह 11 सितंबर से शुरू होगा। इस बार प्लास्टिक पर ज्यादा जोर देना है। मैंने लाल किले से कहा था कि हमें सिंगल यूज प्लास्टिक के चलन को खत्म करना है। कई दुकानदारों ने लिखा है कि ग्राहक अपना थैला लेकर आएं। यह अच्छी मुहिम है। इस बार हम 2 अक्टूबर से प्लास्टिक के खिलाफ एक नए आंदोलन की नींव रखेंगे। मैं सभी से अपील करता हूं कि इस साल हम 2 अक्टूबर एक विशेष दिन के तौर पर मनाएं और हर जगह स्वच्छता का संदेश दें। मैं नगर निगम और कार्पोरेट से भी अपील करता हूं कि प्लास्टिक के रिसाइकल पर जोर दिया जाए। आज गांधी से बड़ी कोई प्रेरणा नहीं है।

'अन्न ही रत्न'

मोदी ने कहा, "हमारी संस्कृति में लिखा गया है कि पृथ्वी में जल, अन्न और सुभाषित तीन रत्न हैं। मूर्ख लोग पत्थर को रत्न कहते हैं, जबकि अन्न सही मायने में रत्न हैं। पोषण अभियान के तहत आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से जन आंदोलन बनाया जा रहा है। आज लोग कुपोषण से बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। पुणे में आंगनबाड़ी महिलाएं किसानों से एक मुठ्ठी अन्न दान में मांगती हैं। यह उनका एक आंदोलन है। इससे सभी लोग इससे जुड़ जाते हैं।"

"कई राज्यों में लोग तिथि भोज अभियान चलाते हैं। लोग किसी विशेष दिन स्वादिष्ट भोजन बनाकर आंगनबाड़ी में जाकर बच्चों के

बीच बांटते हैं। आज जागरूकता के अभाव में गरीब और अमीर लोग कुपोषण से प्रभावित हैं। हमारा कर्तव्य है कि लोगों को कुपोषण के प्रति जागरूक करें।"

'युवाओं में विविधता को लेकर रुचि'
मोदी के मुताबिक- कई लोगों ने मैन वर्सेस वाइल्ड के बारे में जानना चाहा है। इस एक एपिसोड से मैं दुनियाभर के युवाओं से जुड़ गया। मैंने कभी सोचा नहीं था कि हमारे और दुनियाभर के युवा विविधताओं के बारे में इतनी रुचि रखते हैं। आज योग दिवस के कारण मेरी इतनी लोकप्रियता हो गई है कि दुनिया के बड़े से बड़े नेता योग के बारे में मुझसे जरूर बात करते हैं।"

"लेकिन अब लोग वाइल्ड लाइफ के बारे में बात करने लगे हैं। डिस्कवरी ने 165 देशों में इस कार्यक्रम को प्रसारित किया। लोगों ने मुझसे पूछा कि कार्यक्रम में आप हिंदी में बात कर रहे थे, जबकि बेयर ग्रिल्स अंग्रेजी में। आप दोनों के बीच बातचीत कैसे हुई। यह सब टेक्नॉलोजी से संभव हुआ। मैं कुछ भी बोलता था तो वह तुरंत अंग्रेजी में ट्रांसलेट होकर ग्रिल्स तक पहुंच जाता था" PLC

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/सेवा-की-कोई-सीमा-नहीं/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.